(b) whether the loss was due to deliberate conspiracy on the part of certain senior officials in the council; and

(c) if so, the action taken to retrieve the official records and the present position ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV) : (a) to (c) . A draft of the monograpgh entitled 'Medico-Botanical Flora of India, was compiled by the Central Council for Researh in Indian Medicine and Homoeopathy on the basis of various reports received by them from the Survey of Medicinal Plants Units and the same is missing. The matter is being enquired into by the Council and they have not yet come to any conclusion as to whether any official is responsible for the same.

MATTERS UNDERS RULE 377

12.05

(i) Reported Robbery in a Passanger Train on 21-4-1978.

श्री युवराज (कटिहार) : अध्यक्ष महोदय, नियम 377 के अधीन मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि मुगलसराय से लखनऊ आने वाली यात्री गाड़ी 21–4–78 को प्रात: सवा चार बजे रूपामऊ स्टेशन के निकट लूट ली गई। सशस्त्र लुटेरे कम्पार्टमेंट न० 7536 के सभी यात्रियों के लगभग 25 हजार रुपये के जेवरात, नकदी, कीमती कपड़े, घड़ियां छीनकर फरार हो गये और इस डिब्बे के तीसरे डिब्बें में राजकीय रेलवे पुलिस के एक दर्जन हथियारबन्द जवान सुख की नींद सोते रहे। लूटे गये यात्रियों की चीख पुकार और असहाय महिलाओं का क्रदन भी उनकी नींद खोलने में सहायक नही हुआ। 722–वाई संख्या के डिब्बें में बैठे जी०आर०पी के बारह सिपाहियों तथा रेल कर्मचारियों ने भी यात्रियों की कोई सहायता नहीं की। जब ट्रेन रायबरेली रुकी तो स्टेशन के जी०आर०पी० कार्यालय में प्रथम सूचना की रिपोर्ट लिखायी गयी। ट्रेन की यात्रा निरापद नहीं देखकर जनता में आतंक फैलने लगा है।

(ii) Reported Cases of Food Poisoning in B.I.T. Mesra (Ranchi)

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, बिहार प्रांत के राची क्षेत्र मे बी०आई० टी० मिश्रा नामक एक इजीनियरिंग संस्थान है, जहां बोर्ड की सूचना के अनुसार 200 व्यक्ति विषाक्त भोजन पाने के कारण बेहोश हो गये थे। इस संस्था में करीब-करीब एक वर्ष से हड़ताल चल रही है, जैसे ही यह संस्था खुली तो वहा के विद्यार्थियों में एक भोज हुआ जिसको खाने से 200 व्यक्ति विषाक्त भोजन के शिकार हो गये। मै सरकार से यह कहना चाहता हू कि इस शिक्षण संस्था में या तो किसी प्रकार की यह साजिश है अथवा वहां आपस मे कोई दलबंदी है जिसके कारण यह विषाक्त भोजन की घटना घटी है, जो कि बहुत ही चिन्ताजनक बात है। मैं शिक्षा विभाग से यह आग्रह करूंगा कि इस घटना की तुरंत जाच कराई जाये और सबंधित आवश्यक कार्यवाही की जाये।

(iii) Reported Attacks by Hooligans on Foreigns Residents of Auroville Pondicherry

SHRI BIJOY SINGH NAHAR (Calcutta North-West) : A report from Auroville, Pondicherry, has disturbed many in the country.

On 17th April, 1978, some foreign residents of Auroville who have made India their home for the last ten years suffered at the hands of hooligans who launched barbaric attacks on these foreigners who are great admirers of this country's culture and philosophy and are following the path of Shri Aurobindo.

The scene of this barbarism was Bharat Nivas, a building under construction at Auroville with huge grants of the Central and State Governments given to Shri Aurobindo Society for the benefit oi Auroville. Bharat Nivas is a centre of Indian culture and its purpose is to foster the unity of India with other nations of the world.

In pursuance of this aim, residents of Auroville had organised a month-long cultural programme at the said Bharat Nivas to celebrate Pongal, the